

खबर संक्षेप

10 ग्राम हेरोइन के साथ एक पकड़ा, बाइक जब्त



हिसार। एंटी नारकोटिक सेल ने 10 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नशी की स्पलाई में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पीरांवली निवासी अजय के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी इंस्पेक्टर जितेन्द्र ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ गश्त, अपराध की पड़ताल और नशा रोकथाम के लिए क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर टीम ने सिरसा रोड स्थित ओशो आश्रम के पास कारवाई करते हुए आरोपी अजय को काबू किया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद हुआ। पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल को भी कब्जे में ले लिया।

आभूषण चोरी मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार बरवाला। घर से सोने के आभूषण चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी अजय की गिरफ्तारी के बाद अब सह-आरोपी वार्ड 8 निवासी शांति को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस चोरी किए गए सोने के आभूषणों की बरामदगी के लिए आरोपी से पूछताछ कर रही है। बरवाला थाना के पीएसआई नवीन ने बताया कि 5 सितंबर को वार्ड नंबर-8 निवासी बंटी पुत्र ओमप्रकाश ने शिकायत दी थी कि कोई व्यक्ति उसके घर में घुसकर सोने के आभूषण चोरी कर ले गया। शिकायत पर मामला दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य विश्वसनीय स्रोतों की मदद से वारदात में शामिल मुख्य आरोपी वार्ड 8 निवासी अजय को गिरफ्तार किया था।

रोडवेज कर्मचारी यूनियन को झटका, दयानंद ने दिया इत्तीफा हिसार। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा रोडवेज वर्करजं यूनियन के सांगठनिक कर्मचारी के बीच रोडवेज कर्मचारी यूनियन के वरिष्ठ नेता रहे दयानंद सरसाना ने त्यागपत्र देते हुए चुनावी गतिविधियों के बीच सर्व कर्मचारी संघ से जुड़ी हरियाणा रोडवेज वर्करजं यूनियन की समस्या ले ली है। महासंघ से जुड़ी यूनियन में पिछले लंबे समय से उपेक्षित चल रहे दयानंद सरसाना ने सर्व कर्मचारी संघ से जुड़ी यूनियन के सांगठनिक चुनाव में हिसार डिपो प्रधान पद के लिए चुनाव लड़ने की ताल भी ठोक दी है। यहां पर चालक पवन कुमार पहले ही प्रधान पद के लिए ताल ठोक चुके हैं। दयानंद सरसाना ने महासंघ से जुड़ी रोडवेज कर्मचारी यूनियन में लंबे समय तक काम किया है, ऐसे में उनका हिसार डिपो में अच्छा खासा प्रभाव माना जा रहा है।

खारा बरवाला हत्याकांड में छटा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

खारा बरवाला हत्याकांड में आदमपुर थाना पुलिस और सीआईए ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सदलपुर के चक्की चौपटना निवासी सुनील के रूप में हुई है। इसके साथ ही मामले में अब तक छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में एससी/एसटी एक्ट की धारा भी जोड़ी है। उप पुलिस अधीक्षक अग्रोहा किशोरी लाल ने बताया कि इससे पहले पुलिस जयराम, अक्षय जाजूदा, संदीप, उमेश तथा समीर को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार 13

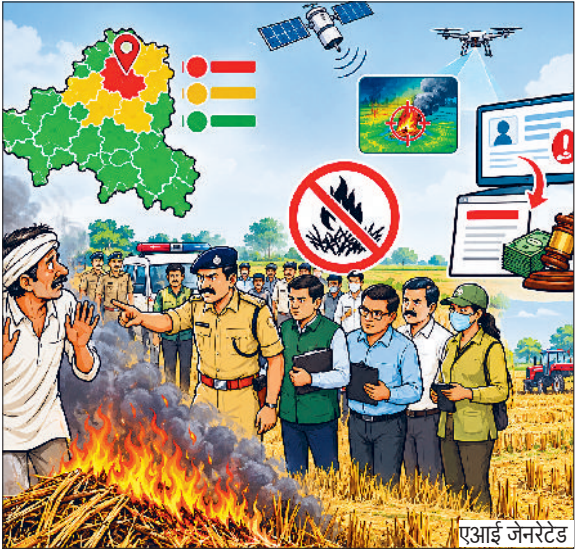
505 नोडल अधिकारी रखेंगे नजर, एक्टिव फायर लोकेशन मिलते ही होगी त्वरित कार्रवाई

अब पराली जलाई तो खैर नहीं! ‘पराली प्रोटेक्शन फोर्स’ तैनात

229 गांवों को ग्रीन, येलो और रेड जोन में बांटा, 30 नवंबर तक गांव-गांव मुस्तैद रहेंगी 229 विशेष टीमें, एफआईआर के साथ लगेगा भारी जुर्माना

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

धान के सीजन के साथ ही हिसार और हांसी क्षेत्र में पराली प्रबंधन को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। वायु प्रदूषण पर लगाम कसने और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों की पालना के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। दोनों जिलों में फैली करीब 1.96 लाख एकड़ धान की फसल को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने 505 नोडल अधिकारियों की फौज मैदान में उतार दी है। पराली जलाने की घटनाओं को 'शून्य' के स्तर पर लाने के लिए ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक कमेटियों का गठन कर सख्त पहरेदारी शुरू कर दी गई है।



इनके कंधों पर भी रहेगी जिम्मेदारी

जिला स्तर पर गठित कमेटी में जिला राजस्व अधिकारी, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, कृषि विभाग के उपनिदेशक, सहायक कृषि अभियंता तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शामिल हैं। उप-मंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम, डीएसपी एवं कृषि विभाग के अधिकारी निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि ब्लॉक स्तर पर न्याय तहसीलदार एवं बीडीपीओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्राम स्तर पर कृषि विकास अधिकारी, राजस्व पटवारी, पंचायत सचिव, सरपंच एवं नंबरदार अपने-अपने गांवों में पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखेंगे और किसी भी घटना की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देंगे। इसके अतिरिक्त विशेष गश्ती टीमों में संबंधित तहसीलदार, थाना प्रभारी तथा दमकल केंद्र के प्रभारी को भी शामिल किया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मौके पर तुरंत पहुंचकर कार्रवाई की जा सके।

‘पराली प्रोटेक्शन फोर्स’ रखेगी नजर

पराली जलाने की घटनाओं पर नकेल कसने के लिए विशेष 'पराली प्रोटेक्शन फोर्स' बनाई गई है। इसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व, कृषि, पंचायत और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल हैं। अनुमन किसान कार्रवाई से बचने के लिए देर शाम या रात के अंधेरे में पराली जलाते हैं, इसलिए प्रशासन ने शाम और रात के समय विशेष गश्त बढ़ाने का फैसला किया है। सैटेलाइट से मिलने वाले एक्टिव फायर लोकेशन (एफएएल) डेटा के आधार पर तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की जाएगी।

रेड, येलो और ग्रीन जोन में बंटे गांव

पिछले सालों के आंकड़ों और मामलों की गंभीरता के आधार पर प्रशासन ने दोनों जिलों के 229 गांवों की मैपिंग की है। सबसे ज्यादा संवेदनशील गांव बास आजमशाहपुर को रेड जोन घोषित किया गया है। यहां हर 50 किसानों पर एक नोडल अधिकारी तैनात रहेंगे। 11 गांवों को येलो तथा 217 गांवों को ग्रीन जोन में रखा गया है। ग्रीन जोन वाले गांवों में प्रति 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी निगरानी रखेगा।

लापरवाही पर होगी एफआईआर व रेड एंटी

कृषि विभाग के अधिकारियों ने साफ किया है कि निम्नो का उल्लंघन करने वाले किसानों को बख्शा नहीं जाएगा। संबंधित किसान को 'मेरी फसल-मेरा ब्योरा' पोर्टल पर रेड एंटी की जाएगी, जिससे वह भविष्य में सरकारी योजनाओं व सुविधाओं से वंचित हो सकता है। पर्यावरण क्षतिपूर्ति जुर्माना लगाने के साथ-साथ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

फील्ड में मुस्तैद रहें अधिकारी : उपायुक्त

खरीफ सीजन के एक्शन प्लान को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। अधिकारी पराली जलाने की घटनाओं को शून्य पर लाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करें। सुपर

सीडर और हैप्पी सीडर जैसी आधुनिक कृषि मशीनों पात्र किसानों तक समय पर पहुंचें। फील्ड अधिकारी दैनिक निगरानी रिपोर्ट सौंपेंगे और किसी भी स्तर पर वाई गैंग लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

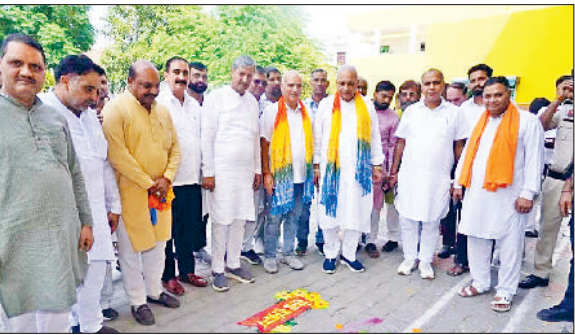
-महेंद्र पाल, डीसी, हिसार।

युवा देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव : गंगवा

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत बरवाला में हुई भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज़ ►► बरवाला

सेवा संकल्प अभियान के तहत लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियानिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को बरवाला स्थित डी.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए ओजस्वी भाषणों एवं सुंदर चित्रकारी का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की।



बरवाला। भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

कैबिनेट मंत्री ने विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, प्रतिभा और उत्साह देखकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि हमारे युवा और विद्यार्थी ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। भाषण एवं पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, सृजनात्मक क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना तथा सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को और अधिक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, विद्यार्थियों की प्रतिभा और समाज की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प साकार होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, रणधीर धीरू सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं बरवाला वासी उपस्थित रहे।

हिसार एयरपोर्ट के पास 707 करोड़ से विकसित किया जाएगा आईएमसी

■ परियोजना लगभग 2,988 एकड़ क्षेत्र में होगी विकसित

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

पूर्व स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री तथा वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. कमल गुप्ता द्वारा हिसार के औद्योगिक विकास के लिए लंबे समय से उठाई जा रही महत्वपूर्ण मांग अब साकार होने जा रही है। अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत हिसार एयरपोर्ट के निकट इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) विकसित किया जाएगा, जिससे हिसार राष्ट्रीय स्तर के औद्योगिक मानचित्र पर अपनी एक नई पहचान स्थापित



डॉ. कमल गुप्ता

पहले चरण में 1,605 एकड़ भूमि पर सड़क, सीवरेंज, पेयजल, ड्रेनेज, विद्युत नेटवर्क और अन्य आवश्यकता आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। बुनियादी ढांचा तैयार होने से बड़े उद्योगों के साथ-साथ एमएसएमई इकाइयों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे देश-विदेश

क रे गा । हि सा र एयरपोर्ट के निकट यह परियोजना ल ग भ ग 2 , 9 8 8 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाएगी। पहले चरण में 1,605 एकड़ भूमि पर सड़क, सीवरेंज, पेयजल, ड्रेनेज, विद्युत नेटवर्क और अन्य आवश्यकता आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। बुनियादी ढांचा तैयार होने से बड़े उद्योगों के साथ-साथ एमएसएमई इकाइयों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे देश-विदेश

घर से मोबाइल, बैंक पासबुक और एफडी चोरी का आरोपी काबू

बरवाला। घर से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, बैंक संबंधी कागजात और एफडी चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा मोबाइल फोन, बैंक पासबुक व कॉपीयां तथा एफडी बरामद कर ली हैं। आरोपी की पहचान वार्ड 7 निवासी गुरचरण के रूप में हुई है। बरवाला थाना के सब इंस्पेक्टर गौतम ने बताया कि वार्ड नंबर-7 हांसी रोड निवासी हानी राम ने शिकायत दी थी कि उसके घर से कोई व्यक्ति मोबाइल फोन, बैंक संबंधी दस्तावेज, पासबुक और एफडी चोरी कर ले गया। शिकायत पर केस दर्ज करके जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही तकनीकी साक्ष्यों का भी बारीकी से विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। आरोपी पहले से एक अन्य मामले में जेल में बंद था, जिसके चलते उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ की गई और इस मामले में गिरफ्तार किया गया।



एसोसिएशन बोली-त्योहारों में कैसे संमलेगी हजारों वाहनों की भीड़

राजगुरु मार्केट की नई पार्किंग व्यवस्था पर बवाल, व्यापारियों ने उठाए सवाल

दूसरे दिन ही दो महिला कर्मचारियों के मरोसे दिखी पार्किंग व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

शहर के सबसे प्रमुख और व्यस्त राजगुरु मार्केट में नगर निगम की नई पार्किंग व्यवस्था शुरू होते ही विवादों में घिर गई है। महिलाओं के हाथों में पार्किंग की कमान सौंप जाने के दूसरे ही दिन राजगुरु मार्केट एसोसिएशन ने व्यवस्था की खामियां गिनाते हुए निगम के फैसले पर सवाल खड़े कर दिए। व्यापारियों



हिसार। पार्किंग में खड़े वाहन व कर्मियां उजागर करते पदाधिकारी।

का कहना है कि इतनी बड़ी पार्किंग को महज दो-तीन महिला कर्मचारियों के भरोसे छोड़ना जमीनी हकीकत से अनजान फैसला है।

खासकर त्योहारों के सीजन में इससे जाम और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। पहले दिन शुक्रवार को करीब नौ महिला कर्मचारी पूरी

एसोसिएशन से संवाद नहीं करने का आरोप

राजगुरु मार्केट एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र बजाज और अन्य पदाधिकारियों का कहना है कि पहले यह पार्किंग वेलफेयर एसोसिएशन के पास थी, लेकिन करीब डेढ़ महीने से बंद पड़ी थी। निगम ने एसोसिएशन से संवाद किए बिना सीधे नया ठेका लागू कर दिया। सचिव महेश चौधरी ने कहा कि महिलाओं को अकेले इतनी बड़ी पार्किंग संभालने में परेशानी होगी। त्योहारों के दौरान भीड़ बढ़ने पर स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाएगी। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट टीनू आहुजा ने कहा कि पार्किंग व्यवस्था सही तरीके से नहीं चली या असामाजिक तत्वों को शामिल किया गया तो एसोसिएशन इसका विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन को फैसला लेने से पहले एसोसिएशन के साथ समन्वय करना चाहिए था। यूनियनों में पार्किंग व्यवस्था प्रश्नफॉर्म नजर आई थीं, जबकि शनिवार को मौके पर महज दो महिला कर्मचारी ही दिखाई दीं। ई-टेंडरिंग के तहत कांता सेल्फ हेल्प ग्रुप, ढाणी श्यामलाल, सीमा शर्मा प्रधान के एक वर्ष के लिए 5.51 लाख रुपये में पार्किंग का ठेका दिया

निगम ने तय किए नियम टू-व्हीलर पार्किंग फ्री

पार्किंग व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कड़े नियम लागू किए गए हैं। बिना यूनियनों के इंट्राई करने वाले कर्मचारियों पर 500 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। ओवरचार्जिंग मिलने पर 10 हजार से 20 हजार रुपये तक की पेनल्टी और जरूरत पड़ने पर ठेका रद्द करने का प्रावधान है। कार की पार्किंग फीस 30 रुपये प्रतिदिन तय की गई है, जबकि टू-व्हीलर की पार्किंग निशुल्क रहेगी।

चालकों और पार्किंग कर्मचारियों के बीच कहासुनी की आशंका भी बनी रहती है।

खबर संक्षेप

कैची धाम के लिए 25 को रवाना होगी बस यात्रा

आदमपुर। श्रद्धालुओं के लिए श्री खाटू श्याम सालासर बालाजी सेवा समिति की ओर से 25 सितंबर को कैची धाम के लिए बस यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। समिति के अध्यक्ष अमित गोयल व मुकेश गोयल ने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को कैची धाम, बाबा नीम करौली आश्रम, हनुमान गढ़ी, भीमताल, गोल्ड देवता मंदिर और नैनीताल सहित विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दर्शन करवाए जाएंगे।

डूस् चुनाव में अध्यक्ष पद पर यश को मिली जीत

हिसार। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूस्) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की है। अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छाबड़ी तथा सह-सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह निर्वाचित हुए हैं। डूस् चुनाव में मिली इस जीत पर जीजेयू, हिसार के अभावपि अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रांत सोशल मीडिया संयोजक कमलदीप अत्री ने विजयी प्रत्याशियों और संगठन के कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

टूटे साइन बोर्ड से राहगीर भटकने को हैं मजबूर, अधिकारी लापरवाह

■ भैणी अमीरपुर के पास नारनौद का रास्ता गलत दिखा रहा बोर्ड

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौद

हांसी-चंडीगढ़ सड़क मार्ग पर गांव भैणी अमीरपुर के पास लगा साइन बोर्ड टूटकर नीचे लटकने से राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। बोर्ड पर नारनौद जाने का रास्ता गलत दिशा में दर्शाया गया है, जबकि संबंधित रास्ता गांव भैणी अमीरपुर की ओर जाता है। नारनौद का मुख्य रास्ता सीधे आगे जाता है। ऐसे में बाहर से आने वाले वाहन चालक बोर्ड देखकर भ्रमित होकर गलत रास्ते पर पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब तीन दिन पहले आए तूफान के कारण पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से लगाया गया यह



नारनौद। गांव भैणी अमीरपुर के पास सड़क पर लटका हुआ साइन बोर्ड।

साइन बोर्ड टूट गया था। इसके बाद से बोर्ड सड़क की ओर लटका हुआ है। टूटे बोर्ड पर दर्शाए गए गलत दिशा-निर्देश के कारण राहगीरों को रास्ता समझने में दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में अधिकारियों को शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन अभी तक बोर्ड को ठीक नहीं करवाया गया है।



नारनौद। कापड़ो गांव में गायों को टीके लगाते हुए पशुपालन विभाग के कर्मचारी।

सकेगी। पशुपालन विभाग की टीम में कापड़ो के पशु चिकित्सक डॉ. अमित शर्मा, नारनौद के पशु चिकित्सक डॉ. विनय तथा जिला पशु रोग निदान प्रयोगशाला हिसार भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पशुओं में लंपी वायरस की पुष्टि या स्थिति स्पष्ट हो

सकेगी। पशुपालन विभाग की टीम में कापड़ो के पशु चिकित्सक डॉ. अमित शर्मा, नारनौद के पशु चिकित्सक डॉ. विनय तथा जिला पशु रोग निदान प्रयोगशाला हिसार की डॉ. सुजाता के नेतृत्व में टीम शामिल रही। टीम सबसे पहले

गौशाला में शिविर लगाकर संदिग्ध गोवंश की जांच की गई और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाने के साथ टीकाकरण भी किया गया। इसके बाद टीम राजथल पहुंची, जहां पिछले दिनों गोवंश में लंपी रोग की आशंका

घबराने की जरूरत नहीं

उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि लक्षण दिखाई देने पर घबराएं नहीं और बीमार पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखते हुए तत्काल पशुपालन विभाग से संपर्क करें। डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि विभाग लंपी रोग को लेकर निगरानी, जांच, टीकाकरण और उपचार की प्रक्रिया चला रहा है। पशुओं में त्वचा पर गांठें, बुखार, सुस्ती या मूत्र में कमी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पशु चिकित्सक को सूचना दें। लिए गए सैंपलों की जांच के बाद ही लंपी वायरस की पुष्टि हो सकेगी।

सामने आई थी। यहां दो गायों की मौत भी हो चुकी है। टीम ने संदिग्ध पशुओं की जांच कर सैंपल लिए और आवश्यक टीकाकरण किया। दलशेर आर्य ने बताया कि कापड़ो गौशाला में भी बीमारी की रोकथाम के लिए शिविर लगाकर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं।



हिसार। गुर्जर-अहीर धर्मशाला में राधा अष्टमी पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते क्षेत्रवासियों। फोटो: हरिभूमि

राधा अष्टमी पर गुर्जर-अहीर धर्मशाला में लगा भंडारा

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

पड़ाव चौक स्थित गुर्जर-अहीर धर्मशाला में शनिवार को राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में 21वें विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली ने विशेष रूप से पहुंचकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन में सहयोग देने वाले सेवादारों का उत्साहवर्धन किया। एडवोकेट कृष्ण खटाणा ने बताया कि पड़ाव क्षेत्रवासियों की ओर से वर्ष 2005 में पहली बार राधा अष्टमी के अवसर पर इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत की गई थी। इसके बाद से प्रत्येक वर्ष निरंतर

ये रहे मौजूद

भंडारे के आयोजन में लोकेश असीजा, अनुज जैन, उमेश खन्ना, मोहित खटाणा, नरेश खटाणा, रामअवतार, महावीर यादव, सत्यवान रावत, संदीप लोणेड़, संदीप मरगड़, श्याम सुंदर मारवाड़ी, सुनील यादव, कृष्ण खटाणा, उमेश मरगड़, कपिल, नितिन खटाणा, दिवेश खटाणा और राकेश माहसी सहित अन्य सेवादारों ने सहयोग किया।

भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य धार्मिक भावना के साथ समाज में सेवा और आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है।

तिरुपति धाम में सात दिवसीय पवित्रा उत्सव की पूर्णाहुति, उमड़े श्रद्धालु

अर्चकों ने भगवान वेंकटेश से की जनकल्याण की कामना

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित तिरुपति बालाजी धाम में सभी विधान पूरे करते हुए पूर्णाहुति के साथ सात दिवसीय पवित्रा उत्सव संपन्न हुआ। सात दिन तक चले इस पवित्रा उत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान तिरुपति बालाजी, माता लक्ष्मी व माता भूदेवी की आराधना व पूजा-अर्चना की। पूरे विधि-विधान से मंत्रोच्चारण के साथ मुद्राहरण, अंकुरारोपण, वेंकटेश भगवान का तिरुमंजन, रक्षाबंधन व अधिवास आदि उपक्रमों का निर्वहन किया गया। भगवान वेंकटेश की अनुकंपा से अंतिम दिन विधान अर्चकों ने पूर्णाहुति के साथ जनकल्याण की कामना भी की। इसके उपरांत श्रद्धालुओं में गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। भगवान तिरुपति से संबंधित मंदिरों या देवालयों में पवित्रा उत्सव का विशेष महत्व रहता है। यह दिव्यदेशान्तर्गत एक विशिष्ट यज्ञ है। इसके अंतर्गत भगवान तिरुपति बालाजी, माता



हिसार। तिरुपति धाम में आयोजित पवित्रा उत्सव में शोभायमान भगवान के विग्रह। फोटो: हरिभूमि

लक्ष्मी व माता भूदेवी सहित स्वयं यजमान के रूप में विराजते हैं। इस यज्ञ में वेद-वेदांत-प्रबंध-पुराण-स्तोत्रादि का संपूर्ण पाठ भी होता है। पवित्रा उत्सव के समापन पर पूर्णाहुति के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने तिरुपति धाम में स्थापित विभिन्न मंदिरों में माथा टेककर अपनी आस्था व्यक्त की।

ऐतिहासिक होगी चौधरी देवीलाल जयंती रैली

सिरसा। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि आगामी 27 सितंबर को नूंह में प्रस्तावित चौ. देवीलाल जयंती समारोह ऐतिहासिक होगा जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे। जस्सा शनिवार को कालावाली हलके के कार्यक्रमों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रमों से आह्वान किया कि वे घर घर जाकर आमजन को 27 सितंबर को नूंह रैली का निमंत्रण दें। जस्सा ने कहा कि आज सिरसा ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा में जननायक चौधरी देवीलाल जयंती को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है और लोग अधिक से अधिक संख्या में इस रैली में भाग लेने के लिए आतुर हैं। जस्सा ने कहा कि सिरसा जिला इस नूंह रैली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पार्टी ने तैयारियां मुकम्मल कर ली हैं। तैयारियों की कड़ी में उनके अलावा सभी हलकों के अध्यक्ष व संयोजक भी डेर टू डेर प्रोग्राम कर आमजन को इस रैली में भाग लेने के लिए न्यूता दे रहे हैं।

डिस्कस थ्रो में अगमजोत कौर ने पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज़ ►►सिरसा

भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में गांव वेदवाला की अगमजोत कौर पुत्री शहनाज मोकल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अगमजोत कौर ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के दौरान अगमजोत कौर ने बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए डिस्कस को शानदार दूरी तक फेंका। अगमजोत कौर वर्तमान में दिल्ली पब्लिक स्कूल सिरसा में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत है।



अगमजोत कौर। भविष्य की कामना की। कहा कि उम्मीद है कि आगे भी उनका प्रदर्शन शानदार रहेगा। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। अगमजोत कौर की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

गुरुद्वारा विश्वकर्मा साहिब में लगाया निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच कैंप

हरिभूमि न्यूज़ ►►रतिया

गुरुद्वारा श्री विश्वकर्मा साहिब में आज गुरु जन्मेश्वर मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल एवं आईवीएफ सेंटर अप्रोहा के सौजन्य से चौ. रूली राम खीचड़, दादपुर की पुण्यतिथि के मौके निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. क्षिति बिश्नोई यूरोलोजिस्ट, डॉ. सरिता बिश्नोई गायनेकोलजिस्ट, डॉ. रणबीर हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. खुशबू बिश्नोई, नेत्र रोग विशेषज्ञ ने अपनी सेवाएं दीं। विशेषज्ञों ने इस कैंप में शामिल हुए लोगों के स्वास्थ्य की जांच एवं टेस्ट करके उनको दवाई प्रदान की गई। इस अवसर पर बाबा विश्वकर्मा गुरुद्वारा



रतिया। शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

साहिब प्रबंधक कमेटी द्वारा प्रधान कश्मीर सिंह व सदस्यों द्वारा अस्पताल की टीम का सिरपों डालकर सम्मान किया गया। एमडी रोहतक बिश्नोई ने बताया कि चौ. रूली राम खीचड़ की याद में गुरुद्वारा कमेटी के सहयोग में कैंप लगाया गया

जिसमें बढ़ चढ़ कर लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई गई। इस मौके पर प्रधान कश्मीर सिंह, अवतार सिंह, गुग्गीत सिंह, स्वर्ण सिंह, मेजर सिंह, तरलोचन सिंह, गुरशरण सिंह, रणजीत सिंह, संदीप शर्मा सहित अस्पताल की टीम मौजूद रही।

महर्षि दधीचि ने सृष्टि की रक्षा के लिए किया था अस्थियों का दान

उकलाना। महर्षि दधीचि त्रिवेणी मंदिर में राधा अष्टमी के पावन अवसर पर महर्षि दधीचि एवं राधा राणी का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस दौरान धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए और श्रद्धालुओं ने मंदिर में माथा टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। महर्षि दधीचि वैरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक मनोहर लाल शर्मा ने महर्षि दधीचि के जीवन और त्याग का वर्णन करते हुए कहा कि जब वृत्रासुर का वध किसी अन्य उपाय से संभव नहीं हो रहा था और सृष्टि पर संकट मंडरा रहा था, तब महर्षि दधीचि ने सृष्टि की रक्षा के लिए अपने शरीर की अस्थियों का दान कर दिया। उनकी अस्थियों से बने वज्र अस्त्र से वृत्रासुर का वध किया गया। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार देवासुर संघाम के दौरान देवताओं के अस्त्र-शस्त्र महर्षि दधीचि के पास सुरक्षित रखे गए थे। बाद में उन्होंने उन अस्त्र-शस्त्रों की शक्ति को अपने शरीर में समाहित कर लिया जिससे उनकी अस्थियां अतृप्त शक्तिशाली हो गईं।

अग्रोहा धाम व श्री प्रयाग गिरी शिवालय मंदिर ट्रस्ट में कल भजन समारोह

प्रभु गणेश की आराधना हमारी समृद्ध धार्मिक परंपरा का हिस्सा: बजरंग गर्ग

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

अग्रोहा धाम व श्री प्रयाग गिरी शिवालय मंदिर ट्रस्ट में श्री गणेश उत्सव पर मंदिर संस्था के प्रधान बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में 21 सितंबर को होने वाले श्री गणेश उत्सव पर भजन समारोह की तैयारी पर विचार किया गया। संस्था के प्रधान बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश की आराधना हमारी समृद्धि धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भगवान श्री गणेश जी को वृद्धि, विवेक, ज्ञान, सुख, समृद्धि तथा विघ्नहर्ता के रूप में पूजा करते हैं। श्री गणेश उत्सव हमें अपनी संस्कृति से जुड़ने के साथ-साथ प्रेम भाईचारे और आपसी संवाद को मजबूत करता है। बजरंग गर्ग ने कहा



हिसार। संस्था के प्रधान बजरंग गर्ग प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए।

कि अग्रोहा धाम व श्री प्रयाग गिरी शिवालय मंदिर ट्रस्ट में 21 सितंबर को श्री गणेश उत्सव पर भव्य भजन समारोह होगा। श्री गणेश उत्सव अपनी भाईचारे और सामाजिक

एकता के पर्व के रूप में मनाए। गर्ग ने कहा कि भगवान श्री गणेश जी का 25 सितंबर को विसर्जन किया जाएगा। इस अवसर पर पवन गर्ग, ऋषि राज गर्ग, सुरेंद्र सिंगला, कैलाश

चौधरी, रमेश लोहिया, सत्येंद्र गोयल, जगत नारायण, ओम प्रकाश असीजा, रमेश पटवारी, महेंद्र गोयल, अंगूरी देवी, अनीता गर्ग, रेनु पडुजा आदि ने अपने विचार रखे।

कला एवं रंगमंच विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व विकास के अहम माध्यम

हरिभूमि न्यूज़ ►►सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (बिएटर, टीवी एवं सिनेमा) पाठ्यक्रम द्वारा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स के सहयोग से दो दिवसीय मार्स्क मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि कला एवं रंगमंच विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यावहारिक कार्यशालाओं से



सिरसा। मार्स्क मेकिंग कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी।

विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक कौशल और तकनीकी दक्षता विकसित करने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ कला एवं संस्कृति से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के

लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है। कार्यशाला का आयोजन डीन, यूएसजीएस प्रो. काशिफ क़िदवाई के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को मार्स्क की कलात्मक एवं नाट्य उपयोगिता के साथ-साथ इसके निर्माण से जुड़ी विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी।

खबर संक्षेप

मेरा योगदान कार्यक्रम में पहुंचे कैप्टन अभिमन्यु नारनौद। प्रदेश की पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु 20 सितंबर रविवार को गांव सिंधड़ में एक कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए पहुंचेंगे। मार्केट



कमेटी के अध्यक्ष शमशेर मोर और मीडिया जिला सह प्रभारी कपिल गुराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु रविवार को कर्मवीर सिंह दुहन के उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं सामाजिक योगदान के सम्मान में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होंगे। उसके बाद गांव सिंधड़ के ही राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम में शिरकत करते हुए पौधरोपण करने का काम करेंगे।



आईटीआई आदमपुर में किया पौधरोपण

आदमपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सेवा संकल्प अभियान के तहत संस्थान परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रधानाचार्य रामस्वरूप ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ सदस्यों ने भी पौधरोपण में भाग लिया। प्रधानाचार्य रामस्वरूप ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वर्ग अनुदेशक कमलकांत, सुरेंद्र, अनुदेशक विनोद जांगड़ा, सुभाष, विजय यादव, अनिल, सुमित गौतम, सुखदेव एवं विजेंद्र आदि रहे।

बसपा बैठक में संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

हिसार। बहुजन समाज पार्टी, हरियाणा प्रदेश के जेन नंबर 1 एवं 2 के तत्वावधान में हिसार में हिसार एवं हांसी जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की जिला स्तरीय संगठन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बसपा हिसार के जिलाध्यक्ष डॉ. मुकेश संभवाल ने की। बैठक में राजस्थान-हरियाणा के केंद्रीय प्रभारी सीपी सिंह, मुख्य जेन प्रभारी महेंद्र सिंह धानिया व मुख्य जेन प्रभारी महेंद्र सिंह जाजोरिया ने विशेष रूप से शिरकत की। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। बैठक में जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को तैयारियों और कार्ययोजना को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. मुकेश संभवाल, लोकसभा प्रभारी नानक देव जजापति, हांसी जिला अध्यक्ष रामदिया खेड़ी सहित पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी रहे।

कांग्रेस ने हरियाणा को विकास में व भाजपा ने कर्ज व भ्रष्टाचार में नंबर वन बना दिया : भूपेन्द्र हुड्डा

हिसार। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि 2005 से 2014 तक कांग्रेस सरकार ने हरियाणा को प्रति व्यक्ति आय, निवेश, रोजगार, सरकारी नौकरियों, खेल, किसानों को फसलों का उचित मूल्य और कानून-व्यवस्था के मामले में देश का नंबर वन राज्य बनाया था। वहीं भाजपा सरकार ने प्रदेश को बेरोजगारी, अपराध, नशा, भ्रष्टाचार और कर्ज के मामले में नंबर वन बना दिया। उकलाना में कांग्रेस के ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 1966 से 2014 तक हरियाणा पर करीब 70 हजार करोड़ रुपये का कर्ज था, जो भाजपा सरकार के दौरान बढ़कर 5.50 लाख करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इतना कर्ज बढ़ने के बावजूद प्रदेश में न नद्रे आगे बढ़ी, न नई रेलवे लाइन खिंची और न कोई बड़ी परियोजना, मेडिकल कॉलेज या शिक्षण संस्थान स्थापित हुआ।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

प्रशासनिक न्यायाधीश जस्टिस भारद्वाज ने किया हिसार बार का दौरा

बेंच और बार के रिश्ते को मजबूती से बनाए रखें अधिवक्ता : राजेश

हरिभूमि न्यूज ►►हिसार

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश एवं हिसार डिवीजन के प्रशासनिक न्यायाधीश जस्टिस राजेश भारद्वाज ने आज जिला न्यायालय परिसर का दौरा किया। समारोह की अध्यक्षता हिसार बार के प्रधान प्रदीप सिंह बाजिया ने की। प्रस्तुत किया चार्टर ऑफ डिमांड समीर सिहाग द्वारा मंच का संचालन करते हुए न्यायाधीश का हिसार बार की ओर से स्वागत किया गया। बार के प्रधान प्रदीप सिंह बाजिया ने न्यायाधीश के समक्ष हिसार बार की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित चार्टर ऑफ डिमांड प्रस्तुत किया।

बार प्रधान ने सौपा ‘चार्टर ऑफ डिमांड’

कार्यक्रम के दौरान बार के प्रधान प्रदीप सिंह बाजिया ने अधिवक्ताओं की समस्याओं और मांगों से संबंधित ‘चार्टर ऑफ डिमांड’ जस्टिस राजेश भारद्वाज के समक्ष प्रस्तुत किया। मांग पत्र में



मुख्य रूप से हिसार में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की स्थायी पीठ की स्थापना, हिसार में विभिन्न ट्रिब्यूनल व कमीशनों की क्षेत्रीय पीठें स्थापित करना, मल्टीलेवल अधिवक्ता पार्किंग, अतिरिक्त 85 अधिवक्ता चैबर्स की स्वीकृति तथा बार रूम का विस्तार, न्यायिक लॉकअप को सुरक्षा दीवार के अंदर स्थानांतरित करना तथा जिला न्यायालय की मेडिकल डिस्पेंसरी को पीएचसी में अपग्रेड कर नियमित मेडिकल ऑफिसर की

हिसार। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश भारद्वाज को स्मृति चिन्ह देते बार के पदाधिकारी।

नियुक्ति तथा अधिवक्ताओं के वाहनों के लिए टोल प्लाजा फ्री करने की मांग शामिल है।

स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

जिला बार एसोसिएशन हिसार ने अधिवक्ताओं की मांगों को गंभीरता से सुनने व सहयोग का आश्वासन देने पर जस्टिस भारद्वाज का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन द्वारा

जस्टिस भारद्वाज ने दिया सकारात्मक आवासन

प्रशासनिक न्यायाधीश ने सभी मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान के लिए सकारात्मक आवासन दिया। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने हिसार जिले के ऐतिहासिक महत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिसार जिला अपने आप में एक अनूठा इतिहास समेटे हुए है और देश की सबसे पुरानी अदालतों में हिसार की कोर्ट भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यहाँ के अधिवक्ताओं से मिलकर अपनेपन का अहसास हुआ है और बार व बेंच के इस पवित्र रिश्ते को अविच्छेदनीय बनाए रखने का प्रयास रहेगा।

न्यायाधीश को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में हिसार बार के उपप्रधान राहुल सिंह, सह सचिव साहिल मदेरणा,

कोषाध्यक्ष एडवोकेट आशा बाल्यान सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ व युवा अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

बास्केटबॉल स्पर्धा में होली चाइल्ड प्रथम

- हरियाणा राज्य स्तरीय स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►►हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने 59वीं हरियाणा राज्य स्तरीय स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया। वर्ष 1966 में हरियाणा राज्य की स्थापना के बाद से होने वाली इस प्रतिष्ठित वार्षिक प्रतियोगिता में होली चाइल्ड स्कूल की अंडर-14 आयु वर्ग की बालिका बास्केटबॉल टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।



हिसार। शानदार प्रदर्शन करने वाली होली चाइल्ड स्कूल की टीम। फोटो: हरिभूमि

खेल सर्वांगीण विकास का माध्यम : सिंधु

प्रबंध निदेशक आर एस. सिंधु ने खिलाड़ियों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने की भावना विकसित होती है। प्रधानाचार्या अनीता पन्नु दलाल ने विजेता खिलाड़ियों, कोच एवं खेल विभाग की शुभकामनाएं दीं।

- राजकीय महिला महाविद्यालय में प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ►►हिसार

राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्राओं की रचनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि गुरु गोरक्षनाथ राजकीय महाविद्यालय, हिसार की प्राचार्या डॉ. अंजू चौधरी और विशिष्ट अतिथि राजकीय महाविद्यालय, हिसार के जीव



हिसार। विजेता छात्राओं को सम्मानित करते कॉलेज अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. निर्मला राठी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। डॉ. अंजू चौधरी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशिष्ट प्रतिभा होती है, जिसे उचित अवसर देकर निखारा जा सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य सतीश सिंगला ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रश्नोत्तरी में जागृति, शिक्षा व स्वाति की टीम

प्रथम, राधा, तमन्ना व पूरम की टीम द्वितीय और निशा, किरण व नियति की टीम तृतीय रही। वाद-विवाद में निशा व शिक्षा प्रथम, जागृति व रितिका द्वितीय तथा पूजा व पारुल तृतीय रही। भाषण प्रतियोगिता में रश्मि प्रथम, भावना द्वितीय और निशा तृतीय रही। अंग्रेजी कविता में जागृति प्रथम, नियति द्वितीय और भावना तृतीय, जबकि हिंदी कविता

किया सम्मानित

कार्यक्रम में डीन सतबीर, को-डीन रणधीर सिंह व हीना पाहुजा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निष्कर्षक मंडल में डॉ. शशिकला यादव, डॉ. वसुंधरा और डॉ. प्रियंका शामिल रही। मंच संचालन डॉ. करुणा और डॉ. सतबीर ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के संचालन में डॉ. हर्षा, डॉ. सत्येंद्र यादव, अमित बंसल, विजिन बख्श, सुमन बंसल, पूरम देवी, शालू मोहन, सुमन लता, कोमल और दिव्या जैन सहित अन्य प्रमारियों का योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर विजेता छात्राओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

में साइना प्रथम, कोमल द्वितीय और प्रमिला तृतीय रही।

डीपीएस का रुद्राक्ष ने रोल बॉल में जीता स्वर्ण राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित



हिसार। दिल्ली पब्लिक स्कूल के कक्षा ग्यारह के छात्र रुद्राक्ष ने केंथल में आयोजित छठी हरियाणा रोल बॉल राज्य चैंपियनशिप 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर हिसार जिले को प्रथम स्थान दिलाया। रुद्राक्ष के प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय रोल बॉल चैंपियनशिप के लिए हुआ है। वे 8 से 12 अक्टूबर तक आयोजित

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे तथा 17 से 20 अक्टूबर 2026 तक कोयंबटूर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस उपलब्धि के पीछे प्रशिक्षक पारेल का मार्गदर्शन भी सराहनीय रहा। प्रधानाचार्या मंजु सुभाकर ने कहा कि यह उपलब्धि उनकी लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

चित्रकला में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

- सेवा पखवाड़े के तहत सुरेवाला के राजकीय उच्च विद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►►उकलाना

सेवा पखवाड़े के तहत खंड के गांव सुरेवाला स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में ‘सेवा चित्र, सेवा संकल्प—मेरे सपनों का भारत’ विषय पर चित्रकला कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और देश के प्रति सेवा भावना जैसे विषयों को रंगों में उकेरा। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उकलाना मंडल



उकलाना। चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

संयोजक डॉ. शम्मी नागपाल ने कहा कि ‘मेरे सपनों का भारत’ जैसे विषयों के माध्यम से बच्चों की सोच और कल्पनाओं को सामने लाने के साथ उनमें देश के प्रति जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देना और उन्हें देशहित के कार्यों के लिए प्रेरित

करना ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जबकि शिक्षकों ने भी उनका मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष करण सिंह जांगड़ा, सुनील चहल, मुख्य अभ्यापक ईश्वर सिंह सहित अन्य शिक्षक आदि रहे।

कार्यशाला गुजवि में वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन पर हुआ ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

छात्रों को आईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी में उपलब्ध उच्च स्तरीय शोध पर दी जानकारी

- कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उन्नत खोज तकनीक, प्रासंगिक शोध साहित्य की खोज सहित विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ►►हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनएसएस) पहल के तहत आईईईई एक्सप्लोर एएसपीपी ऑनलाइन यूजर अवेयरनेस एवं प्रशिक्षण सत्र

एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी का किया प्रदर्शन

कुलपति प्रो. विजय कुमार के मार्गदर्शन और कुलसचिव डॉ. विजय कुमार के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण सत्र में आईईईईई के वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार झा ने ऑनलाइन माध्यम से आईईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी का विस्तृत प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को उन्नत खोज तकनीक, प्रासंगिक शोध साहित्य की खोज, रिसर्च अलर्ट, व्यक्तिगत सुविधाओं, रिमोट एक्सेस, एक्टिवमैपल आर्टिकल नैविगेशन और विषय आधारित साहित्य खोज सहित विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी।

आयोजित किया गया। डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय पुस्तकालय के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षकों,

शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आईईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी में उपलब्ध उच्च स्तरीय शोध एवं तकनीकी साहित्य तथा उसके प्रभावी उपयोग की जानकारी

संसाधनों के अधिकतम उपयोग करने का किया आह्वान

कार्यक्रम का आयोजन पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एसएस जोशी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार चौहान और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष विनायक वधवा रहे। आयोजन एवं समन्वय में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष सोमदत्त का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों से ओपनओएस के तहत उपलब्ध आईईईईई संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया।

देना था। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आईईईईई एक्सप्लोर के माध्यम से उपलब्ध शोध संसाधनों और उन्नत

खोज सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को इन संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर शिक्षण, अधिगम, नवाचार और अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया गया।

एससीएसटी एक्ट का पालन करे सरकार : प्रदीप

हिसार। बहुजन नेता प्रदीप भानखड़ ने कहा है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम देश के करोड़ों दलित, पिछड़े और वंचित समाज के लोगों को न्याय एवं सुरक्षा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण कानून है। उन्होंने कहा कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। प्रदीप भानखड़ ने कहा कि समाज के बीच ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि एससीएसटी एक्ट के कुछ मामलों में आरोपियों को थाने स्तर से ही जमानत दे दी जाती है। ऐसे मामलों में कानून के प्रावधानों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। यदि कहीं कानून की भावना के विपरीत कार्य हो रहा है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।



स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ मरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन मरी नींद की कमी अकसर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन ‘लोकल सर्कलस’ का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे



थका हुआ महसूस करते हैं। इस ‘स्लीप डेब्ट’ को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, ‘आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।’

कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर थू ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा ‘नवरंग’

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
लथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संगल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियायारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांघे में लोह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का ‘नवरंग’
परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

लंगर / धर्मेन्द्र जोशी

आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह ‘कार्य प्रगति पर है!’ के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य को गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड़बड़ पिछली बारिश में नन्हें-नन्हें अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीटो पावर का उपयोग कर

मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, ‘पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।’ वृद्ध मुस्कुरा देते, ‘सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।’

एक सर्द रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। हर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, ‘आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।’ ‘आज पहली बार खाना अकेले खाया।’ ‘डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?’ ‘आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी ठंडी हो गई।’

सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, ‘अब उसे बुलाना मता वह बहुत व्यस्त होगा।’ पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता को हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की सफा-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के

यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,



लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तर्किए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लेश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर



पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन खरीदारी में एक सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिफ्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा?

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए।

किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को ‘कार्य प्रगति पर है’ का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह ‘छत पर लड़कियां’ कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। ‘छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते



कविता संग्रह ‘छत पर लड़कियां’ कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। ‘छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते

बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं। ‘मी लॉर्ड! मुझे ‘चाय दीजिए’ कविता में वह कहती है, मैंने कल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/होम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने को झूठा मान/घर परिवार का।’ ‘सुनो नादिया’ जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैमवास और भी विस्तारित सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।’ जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। ‘बिंदी और सिंदूर’ कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



गणपति बप्पा का भव्य विसर्जन आस्था-सामूहिकता का उत्सव

पर्व-संस्कृति
धीरेज बसाक

विघ्न विनाशक गणपति की विदाई का दृश्य अपने आपमें भारतीय संस्कृति का एक अनूठा दृश्य होता है। सिर पर पगड़ी बांधे बुजुर्ग, जयघोष करते युवा और रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी महिलाएं, कंधों पर गणपति की प्रतिमा उठाए भक्तगण और ढोल की थाप पर थिरकते अलग-अलग उम्र के लोग-सब एक ही स्वर में पुकारते हैं, ‘गणपति बप्पा मोरया!’ कुछ घंटे पहले तक जो प्रतिमा किसी घर, गली या मुहल्ले के एक मंडप की केंद्र बिंदु थी, विसर्जन के समय वह हजारों लोगों की साझी आस्था और भावनाओं का केंद्र बन जाती है। यही गणेश विसर्जन की सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता है। यही भव्य दृश्य आगामी (25 सितंबर) अनंत चतुर्दशी को फिर देखने को मिलेगा।

सामूहिकता-साझेदारी का उत्सव

गणेशोत्सव की खूबसूरती केवल प्रतिमा की स्थापना और पूजा में नहीं बल्कि उसके आस-पास निर्मित होने वाली सामुदायिक दुनिया में भी है। मुहल्ले में मंडप लगाना, मिलकर सजावट करना, सामूहिक रूप से प्रसाद तैयार करना और फिर मिलकर आरती में शामिल होना, वास्तव में गणेश स्थापना से लेकर गणेश विसर्जन तक एक लंबा सांस्कृतिक उल्लास लोगों के बीच छाया रहता है। यह उल्लास विसर्जन के समय चरम पर पहुंचकर भावुक विदाई में बदल जाता है। अगर गणेश विसर्जन को ध्यान से देखें तो लगता ही नहीं कि यह किसी मूर्ति का विसर्जन है। ऐसे लगता है जैसे अपने किसी अत्यंत प्रिय से हम बिछड़ रहे हों। गणेश-प्रतिमा विसर्जन के समय सामूहिकता का सौंदर्य देखने लायक होता है। कोई प्रतिमा उठता है, कोई रास्ता साफ करता है, कोई पानी बांटता है, कोई ढोल बजाता है, कोई फूल बरसाता है, कोई पीछे चल रहे बच्चों का ध्यान रखता है, यह समूचा उल्लास सामूहिकता और साझेदारी का उत्सव होता है।



मिट जाते हैं सभी भेदभाव

गणेश विसर्जन भारतीय समाज की उस पुरानी परंपरा को जीवित करता है, जिसमें उत्सव केवल देखने की चीज नहीं है, मिलकर जीने का आयोजन होता है। सामान्य दिनों में भले भारतीय समाज की सामाजिक संरचना में जाति, वर्ग, पेशा और आर्थिक स्थिति की अनेक दूरियां दिखाई पड़ती हों, लेकिन गणपति पूजा में यह कहीं नहीं दिखती।

किसी हाथ में आरती की थाली होती है, तो कोई रस्सी पकड़कर प्रतिमा के साथ चल रहा होता है, कोई ढोल बजा रहा

होता है और कोई नृत्य कर रहा होता है। यहां व्यक्ति की सामाजिक पहचान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी साझी भागीदारी बन जाती है। यही वजह है कि गणेशोत्सव सिर्फ पूजा का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक मेल-जोल का सार्वजनिक उत्सव होता है।

पीढ़ियों को जोड़ता उत्सव

गणेश विसर्जन सांस्कृतिक उत्सव कई पीढ़ियों को एक साथ जोड़ देता है। बुजुर्गों के पास परंपरा की स्मृतियां होती हैं, युवाओं के पास ऊर्जा और आयोजन की जिम्मेदारी संभालने का भाव होता है। बच्चे पूरे उत्सव में उत्सुकता और विस्मय के साथ भागीदार रहते हैं। एक बुजुर्ग जब बच्चे को समझाता है कि गणपति की स्थापना क्यों की जाती है और विसर्जन का अर्थ क्या है, तो यह सिर्फ एक धार्मिक जानकारी नहीं होती। यह उस

विशेष: अनंत चतुर्दशी, 25 सितंबर

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सैकड़ों ढोल की थाप, सामूहिक जयघोष और भक्तों की नम आंखों के बीच गणपति बप्पा की विदाई केवल एक प्रतिमा का विसर्जन नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और अपनत्व का उत्सव भी होता है। हजारों हाथ जब बप्पा को विदा करते हैं, तो हर कदम में परंपरा, साझेदारी और अगले बरस लौटने की उम्मीद साथ चलती है।

सांस्कृतिक स्मृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का जरिया होती है, जो ऐसी ही परंपराओं से मिलती है। इस तरह हर साल होने वाला विसर्जन परंपरा की पुनरावृत्ति के साथ-साथ उसके हस्तांतरण का भी अवसर बन जाती है।

विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास

गणपति विसर्जन का सबसे भावुक क्षण वह होता है, जब भक्त गणपति की प्रतिमा को विदा करते हैं, लेकिन इस विदाई में स्थाई वियोग का भाव नहीं होता। क्योंकि विदाई के दौरान जो जयकारा लगता है, उसमें विदाई के साथ-साथ वापसी का निवेदन कहीं ज्यादा मुखर होता है, ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।’ यह जयघोष भारतीय संस्कृति के एक गहरे जीवनदर्शन को व्यक्त करता है। यहां विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास मौजूद होता है। इसलिए विसर्जन का दुःख अगले आगमन की प्रतीक्षा के एहसास में कम हो जाता है। मिट्टी की प्रतिमा का पानी में विलीन होना भी इसी भाव को विस्तार देता है, जिस मिट्टी से आकृति बनी, वह फिर प्रकृति में लौट जाती है। प्रतीकात्मक रूप में यह प्रक्रिया यह बताती है कि रूप बदलता है, लेकिन संबंध और स्मृति बने रहते हैं।

गढ़ते हैं जीवंत लोक-संस्कृति

गणेश विसर्जन केवल धार्मिक जुलूस नहीं होता। ढोल-ताशे, लोकगीत, नृत्य, पारंपरिक वाद्य और सामूहिक जयघोष यह सब मिलकर एक जीवंत लोक-संस्कृति गढ़ते हैं। महाराष्ट्र में विशेषकर ढोल, ताशा तथा विसर्जन यात्रा का हिस्सा होते हैं। उनकी यह सामूहिक लय केवल संगीत नहीं पैदा करती बल्कि साथ चल रही भीड़ को भी एक रिश्ता, एक साझी ताल देती है। हजारों कदम जब एक ही ताल पर उठते हैं और एक ही ताल पर जमीन में गिरते हैं, तो व्यक्ति भीड़ का एक हिस्सा भर नहीं रहता बल्कि सामूहिक अनुभव का सहभागी बन जाता है। गणेश विसर्जन में यही सांस्कृतिक अनुभव हर कोई महसूस करता है।

साझी भावनाओं का सांस्कृतिक प्रदर्शन

गणेश प्रतिमा भले किसी एक परिवार ने स्थापित की हो या किसी सार्वजनिक मंडल ने, पर उसकी विदाई सामूहिक होती है। विसर्जन यात्रा जहां-जहां से गुजरती है, वहां-वहां के लोग इसका हिस्सा हो जाते हैं, फिर भले चाहे वो कुछ कदम चलकर इससे अलग हो जाएं। विसर्जन जुलूस जहां से गुजरता है, वह अजनबी भीड़ के रूप में नहीं गुजरता बल्कि हर जगह मौजूद लोग इसमें शामिल हो जाते हैं। इसलिए विसर्जन वास्तव में प्रतिमा को महज पानी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, यह साझी आस्था, साझी जिम्मेदारी और साझी भावनाओं का सामूहिक और सांस्कृतिक प्रदर्शन है। *

डिजिटल इंपैक्ट
डी. जे. नंदन

एक समय था, जब बॉलीवुड सितारों की लोकप्रियता का पैमाना सिनेमाघरों के बाहर लगी भीड़, फिल्मी पत्रिकाओं के कवर और टीवी इंटरव्यू हुआ करते थे। किसी अभिनेता की फिल्म रिलीज होती थी, तो शहरों की दीवारें उसके पोस्टर से ढक जाती थीं। आज का दौर उस दौर से बिल्कुल अलग है। अब किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रीलस, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स (ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखाई देता है। बदल गई स्टारडम की परिभाषा: बॉलीवुड में स्टारडम का गणित इस सोशल मीडिया के युग में पूरी तरह से बदल चुका है। आज किसी अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, सिर्फ उसकी अभिनय क्षमता नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर उसकी फैन फॉलोइंग मानी जाती है। आज के इस डिजिटल दौर में फैन आर्मी और सोशल मीडिया पर पैदा होने वाले बज से किसी भी स्टार का असली स्टारडम तय होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, अब हिंदी फिल्मों की खोज और दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाने वाले सबसे प्रभावी माध्यमों में गिने जा रहे हैं। फैन आर्मी में बदला फैन क्लब: 1990 और 2000 के दशक में फिल्म स्टार्स के फैन क्लब हुआ करते थे। वे पोस्टर लगाते थे, अपने पसंदीदा एक्टर का जन्मदिन मनाते थे और कभी-कभी वो थिएटर के बाहर जहां उनके फेवरेट एक्टर की फिल्म लगी होती थी, वहां जश्न मनाया करते थे। लेकिन आज यही फैन क्लब, फैन आर्मी में तब्दील हो चुके हैं। किसी फिल्म का टीजर आते ही उस फिल्म के एक्टर के हजारों प्रशंसक उसे सोशल मीडिया में शेयर करते हैं। पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती थी, आज वह चर्चा सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच कुछ ही घंटों में पहुंच जाती है।

इनसे प्रूफ होता है सोशल मीडिया इंपैक्ट

‘अल्फा’ का टीजर और डिजिटल ट्रैकिंग: कुछ समय पहले आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म ‘अल्फा’ का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई। कई बड़े सितारों ने सार्वजनिक रूप से इसकी सरहना की, जिससे फिल्म को अत्यधिक डिजिटल बडत मिल गई। यू-ट्यूब फैनफेस्ट: वरुण धवन ने यू-ट्यूब फैनफेस्ट में अपनी फिल्म के गीत का लाइव प्रचार किया है।यह दिखाता है कि डिजिटल आयोजनों का महत्व अब पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस से ज्यादा हो गया है। वायरल वीडियो का इंपैक्ट: 2026 के गणतंत्र



दिवस रिहर्सल में सेनिकों का एक बॉलीवुड गीत पर मार्च करते हुए वीडियो वायरल हुआ और पुराने हिट गीत को एक झटके में नई पीढ़ी तक पहुंचा दिया गया। इस तरह सोशल मीडिया पुराने कंटेंट को भी लोकप्रिय बनाने में देर नहीं लगाना। इंपलूएंसर मार्केटिंग: फिल्म निर्माता, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब इंप्लूएंसर्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि पारंपरिक विज्ञापनों से आगे सीधे युवाओं तक पहुंच सकें। हालिया बॉलीवुड अध्ययनों के अनुसार यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और कुछ एप्स अब दबक्यों को फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने लगे हैं।

दूसरों की सलाह या उपदेश पर निर्भर होना या अपने जीवन के सवालों के जवाब हमेशा किसी और से पूछना, सही नहीं है। यह प्रवृत्ति क्यों लोगों में देखी जाती है? इसके बजाय हमें किस तरह अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बनना चाहिए, आप जरूर जानना चाहेंगे।

खुद ही तलाशने चाहिए जीवन के सवालों के जवाब

सेल्फ मोटिवेशन

वीरेंद्र बहादुर सिंह

हमारे जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अपने हर छोटे-बड़े सवाल का जवाब दूसरों से चाहते हैं। पढ़ाई किस विषय में करें, नौकरी कहाँ करें, विवाह किससे करें, किस रास्ते पर चलें, कौन-सा निर्णय सही होगा? इन सबका फैसला भी अक्सर हम किसी और की राय से लेते हैं। मानो कोई दूसरा व्यक्ति हमारे जीवन की पूरी किताब पढ़ चुका हो और हमें हमसे बेहतर जानता हो। सवाल है, लोग अपने जीवन के निर्णय लेने के लिए दूसरों से सलाह या उपदेश क्यों लेना चाहते हैं?

आकर्षित करते हैं उपदेश

अक्सर लोग इसलिए उपदेश सुनना या दूसरों की सलाह मानना पसंद करते हैं, क्योंकि इससे जिम्मेदारी किसी और पर डालना आसान हो जाता है। अगर निर्णय सफल हुआ तो गाइड करने वाले की महानता और अगर असफल हुआ तो दोष भी उसी पर डाल देना आसान होता है। इस प्रकार व्यक्ति स्वयं सोचने और अपने निर्णय की जिम्मेदारी लेने से बच जाता है। दूसरी बात, जब इंसान किसी समस्या का सामना करते हुए मानसिक रूप से टूटता है तो उसके भीतर असुरक्षा का भाव भी पैदा होता है। तब उसका मन किसी व्यक्ति, किसी विचारधारा, किसी गाइड या किसी समूह की छाया तलाशने लगता है ताकि उसे फिर से मानसिक सुरक्षा मिल सके।



विचारधारा को अपनाना चाहिए और किसे छोड़ देना चाहिए? ऐसे उपदेश सुनने में सरल लगते हैं। अगर कोई इंसान ऐसे किसी के भी उपदेश को बिना सोचे-विचारे मानने लग जाए, तो उसकी स्वतंत्र सोच और निर्णय लेने की क्षमता धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है।

गाइड के तौर पर लें सलाह

दूसरों के अनुभव हमारे लिए दिशासूचक संकेत हो सकते हैं, लेकिन वे हमारी मजल तय नहीं कर सकते। जैसे संकेत किनारे लगा बोर्ड केवल दिशा बताता है, यात्रा हमारे स्थान पर नहीं करता, उसी प्रकार विद्वानों, गुरुओं, शिक्षकों और अनुभवी लोगों का काम केवल रास्ता दिखाना है। उस रास्ते पर चलना या न चलना हमारा निर्णय होना चाहिए।



स्वविवेक से ही लें निर्णय

अच्छे विचार वही हैं, जो व्यक्ति को भीतर से बदल दें, उसकी दृष्टि को व्यापक बना दें और उसे अधिक संवेदनशील, अधिक स्वतंत्र तथा अधिक जिम्मेदार बना दें। दूसरों की बातें सुनिए, उनके अनुभवों से सीखिए, महान ग्रंथ पढ़िए, श्रष्ट विचारकों का अध्ययन कीजिए, लेकिन किसी की बात को अंतिम सत्य मानकर अपनी सोच बंद मत कीजिए। याद रखिए, जीवन का सबसे बड़ा गाइड अंततः हमारा विवेक और अपना अनुभव ही होता है। कहने का मतलब है कि जीवन के हर महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर बाहर यानी दूसरों की सलाह में नहीं, हमारे ही भीतर छिपा होता है। उसे खोजने का श्रम हमें स्वयं करना पड़ता है। वही श्रम हमें परिपक्व बनाता है, वही आत्मविश्वास देता है और वही वह शाश्वत संतोष प्रदान करता है जिसे कोई तैयार उपदेश कभी नहीं दे सकता। *

कॉफी सिर्फ एक पेय नहीं है, बल्कि यह वैश्विक संस्कृति और न जाने कितनी अनेकही कहानियों का हिस्सा भी है। सुबह या शाम गरमा-गरम कॉफी पीना दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है। कॉफी बाँस को वनस्पति विज्ञान के नजरिए से देखा जाए, तो यह नाम पूरी तरह से एक भ्रांति है। कॉफी का एक छोटा पेड़ होता है, जिस पर चमकीले लाल रंग के फल लगते हैं, जिन्हें ‘कॉफी चेरी’ कहा जाता है। इन फलों के अंदर दो बीज होते हैं। जब फल पक जाते हैं, तो उनके गूदे को हटाकर इन बीजों को निकाला जाता है, जिन्हें हम भूनकर कॉफी पावडर बनाते हैं। क्या आप जानते हैं कि कॉफी से जुड़े कुछ किस्से भी बेहद मजेदार और हैरान करने वाले हैं?

कॉफी के खिलाफ महिलाओं का आंदोलन: 17वीं शताब्दी के लंदन में कॉफी हाउसेस, पुरुषों के सामाजिक जीवन का मुख्य केंद्र बन गए थे। पुरुष दिन भर घरो से बाहर रहकर कॉफी हाउसों में राजनीति, व्यापार और दर्शनशास्त्र पर चर्चा करते थे। इससे तंग आकर साल 1674 में लंदन की महिलाओं ने एक अनेखा मोर्चा खोला, जिसे हिस्ट्री में ‘द विमैस पिटीशन अगेंस्ट कॉफी’ के

पक्षी जगत
एन. के. अरोड़ा

जमीन से मीलों ऊपर उड़ते हुए कुछ पक्षी जब हजारों किलोमीटर की अपनी लंबी यात्रा पर होते हैं, तो हर समय जगें हुए नहीं होते, बीच-बीच में सोते भी हैं। फिर चाहे वे आसमान में उड़ रहे हों, उसके नीचे चारों तरफ हजारों मील तक समुद्र ही क्यों न पसर हो। यही नहीं अगर सैकड़ों किलोमीटर तेज आंधी भी चल रही होती है, तो भी उनकी सेहत पर फर्क नहीं पड़ता। वे उस समय भी उड़ते हुए अपनी जरूरी नौद ले लेते हैं। ऐसी ही अद्भुत विशेषताओं वाले पक्षियों में ग्रेट फ्रिगेटबर्ड भी शामिल है।

वैज्ञानिकों ने किया अँज्वः ग्रेट फ्रिगेटबर्ड पर लगातार नजर रखते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह कई-कई दिनों तक आसमान में उड़ते हुए जमीन पर नहीं उतरता और बिना रुके अपनी यात्रा जारी रखता है। ऐसा करते हुए इसके मस्तिष्क का एक हिस्सा घंटों-घंटों आराम करता है और दूसरा हिस्सा जरूरी काम यानी उड़ान को संचालन करता है। ऐसा करते समय इसकी एक आंख बंद हो सकती है और मस्तिष्क का विपरीत हिस्सा आराम कर सकता है, जबकि दूसरी आंख और मस्तिष्क का दूसरा हिस्सा संजग रहता है और अपनी परिस्थितियों तथा वातावरण पर लगातार नजर रखता है।

रोचक / शिखर चंद जैन टेस्टी कॉफी से जुड़ी इंट्रेस्टिंग स्टोरीज



हिस्सा माना जाता था। वहाँ एक कानून था कि यदि कोई पति अपनी पत्नी को रोजाना एक निश्चित मात्रा में कॉफी उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता था, तो पत्नी को इस आधार पर अपने पति से कानूनी रूप से तलाक लेने का पूरा अधिकार था। उस दौर में पुरुषों के लिए पत्नी के लिए कॉफी का इंतजाम करना सबसे जरूरी काम माना जाता था। *

आपको जानकर अचरज होगा कि आकाश में कई मील की ऊँचाई पर उड़ते पक्षी अपनी लंबी उड़ान के दौरान सो भी लेते हैं। उड़ते-उड़ते सोने का यह कमाल वे कैसे कर लेते हैं?

कैसे बेफिक्र होकर सोते हैं आसमान में उड़ते पक्षी



हवा का भी लेते हैं सहारा: वैज्ञानिकों ने यह भी पाया है कि ग्रेट फ्रिगेटबर्ड और लंबी उड़ान भरने वाले अन्य पक्षी उड़ते समय हवा को अपने एक सहारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि जब वे ऊँचे आसमान में लंबी उड़ान पर होते हैं, तब बार-बार पंख नहीं फड़फड़ाते। वास्तव में समुद्र के ऊपर उठने वाली गर्म हवा और वातावरण में मौजूद हवा की धाराओं का बड़ी चतुराई से इस्तेमाल करते हुए ये पक्षी उसमें ग्लाइडिंग करते हैं। यह ऊर्जा बचाने और लगातार उड़ान के बावजूद न थकने का एक सीक्रेट तरीका भी है। जैसे कोई ग्लाइडर

विमान, हवाओं की धाराओं का इस्तेमाल करते हुए कम या बिल्कुल कम ऊर्जा का इस्तेमाल करके उड़ान की दूरी तय कर सकता है। उसी तरह ये पक्षी भी वातावरण की ऊर्जा को अपने हित में इस्तेमाल करने की जुगत जानते हैं।

ऐसे लेते हैं हवा में नौद: वैज्ञानिकों ने अब तक जो स्टडी की है, उसके आधार पर आसमान में लंबी उड़ान के दौरान पक्षियों की नौद सीमित तथा नियंत्रित होती है। इसे वैज्ञानिकों ने ‘स्लो वेब स्लीप’ माना है और पाया है कि उड़ान के दौरान इनकी यह नौद जमीन पर उनके सोने की तुलना में बिल्कुल अलग होती है।